सद्गुरु एक अकेले मोटरसाइकिल सवार के रूप में 30,000 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य है - जागरूकता बढ़ाना और मिट्टी को फिर से जीवंत बनाने के लिए सरकारी नीतियां बनाने में मदद करना।

मिट्टी बचाओ

प्रकृति को बचाए रखने के लिए अभी सबसे महत्वपूर्ण पहलू मिट्टी है। अगर हम मिट्टी की गुणवत्ता को गिरने से नहीं रोकते, तो यह धरती इंसान के रहने योग्य नहीं रह जाएगी।

सद्गुरु

यूके
नीदरलैंड
जर्मनी
चेक गणतंत्र
स्लोवाकिया
ऑस्ट्रिया
स्लोवेनिया
इटली
स्विट्ज़रलैंड
फ्रांस
बेल्जियम
लातविया
रोमानिया
हंगरी
बुल्गारिया
जॉर्जिया
अज़रबैजान
इज़राइल
जॉर्डन
आइवरी कोस्ट
बहरीन
सऊदी अरब
संयुक्त अरब अमीरात
ओमान
भारत

अधिक जानकारी:
savesoil.org

हर सेकेंड, एक एकड़ मिट्टी रेत में बदल जाती है
- यूएनसीसीडी

विश्व की 52% कृषि भूमि पहले ही खराब हो चुकी है
- ईएलडी पहल

दुनिया भर की मिट्टी में, केवल अगले **60 वर्षों तक खेती हो सकती है**
- संयुक्त राष्ट्र एफएओ

आज 8 संतरों में उतने पोषक तत्व हैं, जितने 100 साल पहले 1 संतरे में होते थे

मिट्टी को जीवंत कैसे बनाएं

फसलों को पोषण देने के लिए मिट्टी में जैविक (ऑर्गेनिक) पदार्थ होना ज़रूरी है।

जैविक (ऑर्गेनिक) पदार्थ पौधों और जानवरों के कचरे से आता है

मिट्टी मर चुकी है

पौधों और जानवरों का कचरा मिट्टी में मिलाया गया

कार्बनिक (ऑर्गेनिक) पदार्थों से मिट्टी के जीवों का पोषण हुआ। उन्होंने पौधों के लिए पोषक तत्व पैदा किए

मिट्टी समृद्ध हुई

पौधे और जानवर पोषित होने लगे और फलने-फूलने लगे

सस्ता और पौष्टिक भोजन
जलवायु के बदलाव में कमी
अधिक जैव विविधता (बायोडायवर्सिटी)
गरीबी में कमी

192 राष्ट्रों में सरकार की नीति

जीवित मिट्टी के लिए कम से कम 3% जैविक (ऑर्गेनिक) पदार्थ

PLANET CONSCIOUS .ORG

मिट्टी बचाओ

अभी कदम उठाएं